nt>

Title: Need to check the exorbitant rates charged for fertilizers by the traders in Bihar.

श्री सुकदेव पासवान (अररिया) : अध्यक्ष महोदय, पूरा बिहार बाढ़ और सुखाड़ से प्रभावित है। अभी वहां गेहूं की फसल लगाने का समय है। पूरे बिहार में सरकार द्वारा दी जाने वाली डीएपी खाद की कीमत 510 रुपये प्रति 50 किलो है लेकिन ब्लैक मार्केट में वह साढ़े सात सौ से आठ सौ रुपये प्रति 50 किलो का बोरा बिक रहा है। इसी तरह एनपीके खाद है जिसकी कीमत प्रति बोरा 460 रुपये है लेकिन वह 625 रुपये में बिक रहा है। जिस यूरिया का दाम 270 रुपये है, वह 350 से 400 रुपये प्रति बोरा मिल रहा है। बिहार में लोकल खाद की फैक्टरी है। उस लोकल खाद की कीमत 400 रुपये प्रति बोरा है जबकि वह भी 600-700 रुपये में बिक रही है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि वहां गरीब किसानों को लूटा जा रहा है। वहां व्यापारियों पर न तो किसी प्रकार की रोक है और न ही उन पर कोई कार्रवाई हो रही है। मैं कहना चाहता हूं कि बिहार में इस समय रबी की फसल का मौसम है, गेहूं की बोआई का काम हो रहा है, निश्चित रूप से बडे-बड़े उद्योगपतियों पर छापा मारना चाहिए और सरकार द्वारा खाद की जो कीमत नियत है, वह उसी भाव पर किसानों को मिले, यही मेरी मांग है।